शिव तो ठहरे सन्यासी

शिव तो ठहरे सन्यासी गौरा पछ्ताओगी,
भटको गी वन वन में चल नही पाओगी,
शिव तो ठहरे सन्यासी गौरा पछ्ताओगी,

महलो में तू रही गोरा राज कुमारी बन के,
भांग और धतूरे के रगड़ तुम लगाओ गी,
शिव तो ठहरे सन्यासी गौरा पछ्ताओगी

तन पे भभूती उनके पहने मर्ग शाला है,
देख के रूप उनका गिरा डर जाउगी,
शिव तो ठहरे सन्यासी गौरा पछ्ताओगी

गोरा बोली सखियों से तुमें क्या पता सखियों,
कैसा वर पाया मैंने तुम कहा से लाओ गी,
शिव तो ठहरे सन्यासी गौरा पछ्ताओगी

Source: https://www.bharattemples.com/shiv-o-thare--snyaasi-gora-pashtaao-gi/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw